PDF GROUP - http://bit.ly/VisionIAS

वस्तु एवं सेवा कर

Goods & Service Tax

एक अधिनियम हेतु भारत के संविधान में संशोधन करने के लिए पारित विधेयक

प्रादेशिक सीमा :- भारत

द्वारा अधिनियमित :- लोक सभा

पारित करने की तिथि :- 8 अगस्त 2016

द्वारा अधिनियमित :- राज्य सभा

पारित करने की तिथि :- 3 अगस्त 2016

Arun Dixit

GST in India :- भारत में वस्तु एवं सेवा कर विधेयक (GST Bill) एक बहुचर्चित विधेयक है जिसमें 01 अप्रैल 2017 से पूरे देश में एक समान मूल्य वर्धित कर लगाने का प्रस्ताव है। इस कर को "वस्तु एवं सेवा कर (GST)" कहा गया है। यह एक "अप्रत्यक्ष कर (Indirect tax)" होगा।

उद्देश्य - Aim

- GST एक प्रकार की अप्रत्यक्ष कर सुधार योजना (Indirect tax reformation Policy) है, जिसका उद्देश्य राज्यों के बीच वित्तीय बाधाओं को दूर करके एक समान बाजार को बाँध कर रखना है।
- यह सम्पूर्ण भारत में वस्तुओं और सेवाओं पर लगाया जाने वाला एकल राष्ट्रीय एक समान कर है।
- GST यदि अपनाया गया तो यह कर विसंगतियों को दूर करके कर प्रशासन (Tax Administration) अत्यंत सरल बना देगा।

PDF GROUP - http://bit.ly/VisionIAS

GST के अंतर्गत पंजीकरण

मौजूदा पंजीकृत

- स्वचालित रूप से मौजूदा व्यवसायियों का पंजीकृत
- 6 महीने के लिए वैध
- पंजीकरण के अन्तिम प्रमाण पत्र जारी किये जायेगें

नये व्यापारी

आनलाइन पंजीकरण
एक राज्य के लिए एक पंजीकरण
प्रत्येक व्यापार क्षेत्र के लिये अलग पंजीकरण

किसको GST के अंतर्गत पंजीकरण कराना चाहिए

- वित्तीय वर्ष के दौरान कर योग्य आपूर्ति (Supply) > 20 लाख से अधिक
- उत्तरी पूर्वी राज्यों के लिए > 10 लाख से अधिक
- विभिन्न राज्यों के बीच की आपूर्ति करने वाला व्यवसायी
- ई कामर्स आपरेटरों और उनके आपूर्ति-कर्ताओं
- आकस्मिक व अनिवासी व्यवसायी

PDF GROUP - http://bit.ly/VisionIAS

Telegram Channel में आपको ये सब Current Affairs की PDF available है ।

हिंदी और English medium के स्टूडेंट्स के लिए ।

1 प्रतियोगिता दर्पण PDF [Hindi और English] में

2 दृष्टि करंट अफेयर्स PDF [Hindi और English] में

3 VISION IAS Current Affairs PDF [Hindi और English] में

4 IAS BABA और INSIGHTS के करेंट अफेयर्स PDF

5. सारे कोचिंग्स के करंट अफेयर्स PDF

Join Telegram for Free PDF of All Current Affairs PDF

टेलीग्राम चैनल को ज्वाइन कीजिये - ज्वाइन Now

PDF GROUP - http://bit.ly/VisionIAS

क्या GST के कारण मंहगाई में वृद्धि आयेगी:-

उदाहरण आज की स्थिति	उत्पादक	थोक विक्रेता	फुटकर विक्रेता	उपभोक्ता
लागत	100	172	216	
मूल्यवर्धित (VAT	50	20	30	
उप कुल	150	192	246	253
उत्पाद कर @12.5% →	19			
उपकुल	169	192	246	
केन्द्रीय बिक्री कर CST@2%	3		+ 31	
राज्य मूल्य वर्धित @ 12.5%		24	−24 = 07	
कुल योग	172	216	253	

Rs 11/- or 5% बचत

GST के बाद स्थिति	उत्पादक	थोक	फुटकर	उपभोक्ता
लागत	100	177	205	
मूल्यवर्धित	50	20	30	
उपकुल	150	197	235	242
GST@18% उदा० हेतु	27	35	42	
GST जमा		−27	−35	
कुलयोग	177	205	242	

PDF GROUP - http://bit.ly/VisionIAS

GST के लाभ:-

- कर दाताओं की संख्या में वृद्धि
- कानूनी प्रक्रियाओं में कमी
- भारतभर में कर प्रणाली का मानकीकरण
- कर के व्यापक प्रभाव को समाप्त करना
- निवेश और ई कॉमर्स को बढ़ावा देना

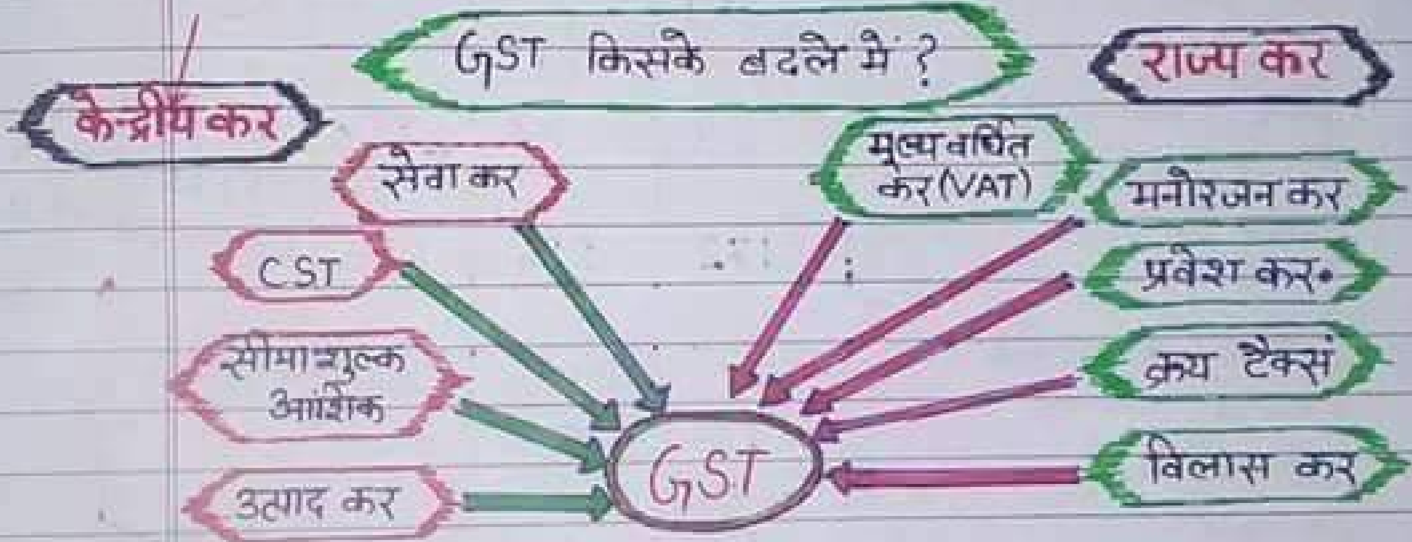

- सीमा शुल्क का बड़ा हिस्सा अपरिवर्तित रहेगा।
- संपत्ति और शराब GST के बाहर रहेगा।
- पेट्रोलियम उत्पादों को फिलहाल GST के बाहर रखा गया है।

PDF GROUP - http://bit.ly/VisionIAS

राजकोषीय नीति (Fiscal Policy) –
सार्वजनिक आय, व्यय, ऋण सम्बन्धी क्रियाओं तथा हीनार्थ प्रबंधन से सम्बंधित नीतिओं को ही राजकोषीय नीति कहते हैं।

मुख्य विशेषता:-
- आर्थिक स्थिरता
- आर्थिक विकास

क्रियाशील वित्त का सिद्धान्त (Functional Finance) –
इनका प्रयोग निश्चित उद्देश्यों को सामने रखकर किया जाना चाहिए। सार्वजनिक व्यय का उद्देश्य केवल प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त करना ही नहीं, बल्कि इसके उत्पादन, आय, तथा रोजगार पर पड़ने वाले प्रभावों को भी ध्यान में रखा जाए।

करारोपण (Taxation) –
करारोपण का उद्देश्य केवल राजस्व प्राप्त करना ही न हो, बल्कि प्रभावपूर्ण मांग को नियंत्रित करना होना चाहिए।
इसके द्वारा जनता को उपलब्ध क्रयशक्ति की मात्रा को नियंत्रित किया जा सकता है।

राजकोषीय नीति अपना प्रभाव कुछ उपायों के प्रयोग से उत्पन्न करती है।
- बजट
- करारोपण
- सार्वजनिक व्यय तथा ऋण

PDF GROUP - http://bit.ly/VisionIAS

* राष्ट्रीय बजट राजकोषीय नीति के एक प्रमुख साधन के रूप में कार्य करती है।

* घाटे का बजट मन्दी की स्थिति में अथवा आर्थिक विकास के लिए साधन जुटाने के उद्देश्य से बनाया जाता है।

* मंदीकाल में एक ऐसा उपाय जो अर्थव्यवस्था को मन्दी के जाल से बाहर निकालने में सहायक हो सकता है।

* प्रयोज्य आय (Disposable income), उपभोग, निवेश } को करारोपण में परिवर्तन के द्वारा प्रभावित किया जा सकता है।

* प्रत्यक्ष करों में परिवर्तन प्रयोज्य आय, निवेश तथा उत्पादन को प्रभावित करते हैं।

* अप्रत्यक्ष करों में परिवर्तन का कीमतों तथा उपभोग पर प्रभाव पड़ता है।

* मंदीकाल में करो में कमी करने से लोगों की व्यय करने की क्षमता बढ़ती है।

घाटे की वित्त व्यवस्था
सरकारी व्यय में वृद्धि
निवेश में वृद्धि करना
आय के वितरण में समानता
} राजकोषीय उपाय जो अर्थव्यवस्था के मंदी काल में अपनाया जाता है।

* मंदीकाल में राजकोषीय नीति के अन्तर्गत करों में वृद्धि करना गलत होगा।

लाफेर वक्र — F — (Laffer curve) –
एक सीमा के बाद कर की दरों में वृद्धि से राजस्व में कमी होती है।

Telegram Channel में आपको ये सब Current Affairs की PDF available है ।

हिंदी और English medium के स्टूडेंट्स के लिए ।

1 प्रतियोगिता दर्पण PDF [Hindi और English] में

2 दृष्टि करंट अफेयर्स PDF [Hindi और English] में

3 VISION IAS Current Affairs PDF [Hindi और English] में

4 IAS BABA और INSIGHTS के करेंट अफेयर्स PDF

5. सारे कोचिंग्स के करंट अफेयर्स PDF

Join Telegram for Free PDF of All Current Affairs PDF

टेलीग्राम चैनल को ज्वाइन कीजिये - ज्वाइन Now

PDF GROUP - http://bit.ly/VisionIAS

राजकोषीय तथा मौद्रिक नीतियों में सम्बन्ध —

① राजकोषिय नीति का निर्धारण सरकार की बजट नीति के अधिन होता है।
मौद्रिक नीति का निर्धारण तथा संचालन केन्द्रीय बैंक द्वारा किया जाता है।

② राजकोषीय नीति मांग पक्ष को प्रभावित करती है।
मौद्रिक नीति का प्रभाव लागत पर पड़ता है।

③ राजकोषिय नीति के प्रभाव तात्कालिक होते जबकि मौद्रिक नीति के प्रभाव समय अन्तराल से उत्पन्न होता है।

④ मन्दी की स्थिति में मौद्रिक नीति विफल रहती है जबकि राजकोषीय नीति को पर्याप्त सफलता मिलती है।

⑤ मौद्रिक नीति के द्वारा अर्थव्यवस्था का केवल संगठित क्षेत्र प्रभावित होता है जबकि राजकोषीय नीति असंगठित क्षेत्र को भी समान रूप से प्रभावित करती है।

⑥ मौद्रिक नीति का प्रभाव अप्रत्यक्ष होता जबकि राजकोषीय नीति क्रयशक्ति को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है।

क्राउडिंग आउट प्रभाव :—

यदि सरकारी व्यय में वृद्धि के कारण निजी व्यय अथवा निवेश में कमी होती है तो इसे क्राउडिंग आउट प्रभाव कहते हैं।

PDF GROUP - http://bit.ly/VisionIAS

* मुद्रा-स्फीति का एक मुख्य कारण व्यय में वृद्धि का होना है। मुद्रा-स्फीति की स्थिति में व्यय में कमी तथा मंदी की स्थिति में वृद्धि करना आवश्यक होता है।

* भारत में सार्वजनिक व्यय राजस्व एवं पूंजी व्यय में किया जाता है।

* स्वतंत्र बाजार व्यवस्था में राजकोषीय नीति की भूमिका तटस्थ (Neutral) या अहस्तक्षेपक होती है क्योंकि ऐसी अर्थव्यवस्था में संसाधनों का विभाजन एवं सभी आर्थिक क्रियाएं मांग-पूर्ति की शक्तियों द्वारा नियंत्रित होती है।

* राजकोषीय नीति का आरम्भ - 1936 (लार्ड किन्स)

मुद्रा स्फीति (Inflation) —

क्राउथर - वस्तुओं का मूल्य बढ़ रहा हो, मुद्रा का मूल्य गिर रहा हो।

फ्रीडमैन - उत्पादन की तुलना में मुद्रा की मात्रा अधिक

कीन्स - अर्थव्यवस्था के पूर्ण रोजगार में होने के बाद मूल्य वृद्धि।

कारण :—

1.) मांगजन्य :— हीनार्थ प्रबन्धन (घाटे की वित्त व्यवस्था)
सार्वजनिक व्यय में वृद्धि
करारोपण में कमी

PDF GROUP - http://bit.ly/VisionIAS

2) **पूर्तिजन्य** :- उत्पादन में कमी
निर्यात में वृद्धि, आय में कमी
जमाखोरी

3) **लागतजन्य** :- मजदूरी, लाभ, परिवहन लागत आदि में वृद्धि।

रोकने के उपाय :-

① राजकोषिय / विनिय नीति

② **मौद्रिक नीति** :- बैंक दर में वृद्धि
खुले बाजार की क्रिया
VRR (CRR, SLR) में वृद्धि

③ **अन्य उपाय** :- मुल्य नियंत्रण, राशनिंग, उत्पादन में वृद्धि, मजदूरी, लाभ वृद्धि आदि के नियंत्रण से

प्रकार :-

1) **रेंगती हुई** :- मुल्य स्तर में 1% वार्षिक (10% दशकीय) वृद्धि

2) **चलती हुई** - 3-4% वार्षिक (30-40% दशकीय) वृद्धि

3) **भागती / कुदती हुयी** - 10% वार्षिक (100% दशकीय) वृद्धि या अधिक

भारत में योजना आयोग 4% स्फीति तथा कीन्स 5-10% स्फीति आर्थिक विकास के लिए आवश्यक मानते है।

PDF GROUP - http://bit.ly/VisionIAS

फिलिप्स वक्र —

- स्फिति व बेरोजगारी में सम्बन्ध दिखाने वाला वक्र
- स्फिति दर जितनी ही अधिक होगी बेरोजगारी की दर उतनी ही कम होगी अर्थात
- अल्पकाल में स्फिति रोजगार में वृद्धि लाता है।

ओकुन का नियम —

बेरोजगारी में 1% की वृद्धि, GDP में 2% की कमी लाता है।

मुद्रास्फीति का प्रभाव :—

वृद्धि / लाभ		कमी / हानि
उत्पादक	—	उपभोक्ता
श्रमिक	—	वेतनभोगी
अनिश्चित आय	—	निश्चित आय
ऋणि	—	ऋणदाता
किरायेदार	—	मकानमालिक
आयात	—	निर्यात
कर	—	बचत
रोजगार	—	व्यय

USA रिकि आकरो

PDF GROUP - http://bit.ly/VisionIAS

मुद्राविस्फीति मंदी अवस्फीति (Deflation) -

वस्तुओं / सेवाओं का मूल्य गिर रहा हो, मुद्रा का मूल्य बढ़ रहा हो।

मुद्रास्फीति की विपरित स्थिति

मुद्रा अपस्फीति / प्रत्यवस्फीति (Reflation/Disinflation)

मुद्रा स्फीति रोकने के लिए सरकार द्वारा जानबूझ कर मुद्रा विस्फीति की स्थिति को अपनाना (अर्थात सरकार द्वारा मुद्रास्फीति रोकने के लिए मूल्य में गिरावट का उपाय अपनाना)

स्फीतियुक्त गतिहीनता (Stagflation) -

ऐसी विरोधाभास स्थिति जिसमें अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति तथा मुद्राविस्फीति साथ-साथ पाया जाता है।

भारत में 1975, 1976, 1977 का वर्ष

बजट : निष्पादन, प्रोग्रेम, शुन्य आधारित
(Budgets : Performance, programming, zerobase)

निष्पादन बजट :- निष्पादन बजट मूलत. एक प्रक्रिया है जो सरकार के कार्यों को प्रोग्रेम तथा क्रियाओं के आधार पर वर्णिकरण प्रदर्शित करता है। यह सरकार द्वारा पूरे हो चुके कार्यों, किये जाने वाले प्रस्तावित कार्यों तथा उनको पुरा करने के लिए लागत व सम्बन्धित आकड़ो

PDF GROUP - http://bit.ly/VisionIAS

का व्याख्यात्मक उचित विवरण प्रस्तुत करता है।

प्रोग्रेम बजट :- निष्पादन बजट तथा प्रोग्रेम बजट को समानार्थी शब्द के रूप में प्रयोग किया जाता है। परन्तु इन दोनों में मौलिक भिन्नता है।

निष्पादन बजट का झुकाव प्रबन्धकीय है जो बजेटरी मदो को कार्यात्मक वर्गीकरण के द्वारा कार्य के लागत से संबंधित आकड़ो को प्रस्तुत करता है।

जबकि प्रोग्रेम बजट का झुकाव आयोजन जन्य है जो पूर्व निर्धारित निश्चित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए विभिन्न वैकल्पिक उपायों के लागत संबंधित आकड़ो को प्रस्तुत करता है। जहाँ निष्पादन बजट अतीत तथा अन्य पूर्व प्राप्तियो के रिकार्ड पर आधारित होता है वही प्रोग्रेम बजट अग्रगामी होता है। दोनो सार्वजनिक व्यय के वर्गीकरण की दो अलग-अलग विधियां है परन्तु निष्पादन बजट अधिक परिष्कृत है।

पारम्परिक बजट :- इस बजट का मुख्य उद्देश्य विधायिका का कार्यपालिका पर वित्तीय नियंत्रण स्थापित करना रहा है।

पिछले कुछ वर्षों से निष्पादन बजट की आवश्यकता तथा महत्ता को स्वीकार किया गया है तथा इसे परम्परागत बजट के पूरक के रूप में प्रस्तुत किया जाता रहा है।

Telegram Channel में आपको ये सब Current Affairs की PDF available है ।

हिंदी और English medium के स्टूडेंट्स के लिए ।

1 प्रतियोगिता दर्पण PDF [Hindi और English] में

2 दृष्टि करंट अफेयर्स PDF [Hindi और English] में

3 VISION IAS Current Affairs PDF [Hindi और English] में

4 IAS BABA और INSIGHTS के करेंट अफेयर्स PDF

5. सारे कोचिंग्स के करंट अफेयर्स PDF

Join Telegram for Free PDF of All Current Affairs PDF

टेलीग्राम चैनल को ज्वाइन कीजिये - ज्वाइन Now